University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 10 June 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 1 & 5

लविवि के पूर्व कुलपति प्रो. सूरज प्रसाद का निधन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सूरज प्रसाद सिंह का मंगलवार को निधन हो गया।

प्रोफेसर सिंह लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1995 से 1997 के बीच कुलपति रहे। उनके मार्गदर्शन में ही लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया था। प्रोफेसर सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय में विधि संकाय के अध्यक्ष भी रहे। उनका निधन दिल्ली में स्थित उनके आवास पर हुआ।

छात्रों को दी कंक्रीट निर्मित ढांचे की जानकारी

लखनऊ। लविवि के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल ने सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए मंगलवार को 'गुड कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिसेज' पर वेबिनार का आयोजन किया। अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के रीजनल हेड, टेक्निकल सर्विस प्रदीप झा ने विद्यार्थियों को बताया कि कंक्रीट निर्मित ढांचे, दीवारों के प्लास्टर के लिए सीमेंट मोर्टार कैसे तैयार किया जाए, मोर्टार की गुणवत्ता क्या होनी चाहिए।

बचाव ही सबसे बड़ा उपचार

लखनऊ। लविवि के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित ऑनलाइन सेमिनार का मंगलवार को समापन हो गया। कोविड-19 के प्रभाव विषय पर आयोजित वेबिनार में विशेषज्ञों ने कहा कि इस महामारी में बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है। डॉ. शरद चंद्र मिश्र, प्रो. डीसी लाल, प्रो. एमके अग्रवाल, डॉ. राजेश त्रिपाठी सहित कई शिक्षाविदों ने शारीरिक शिक्षा के महत्व पर अपनी बात रखी। समापन शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन के धन्यवाद भाषण से हुआ।

लविवि कराएगा जनसंख्या अध्ययन की पढ़ाई

लखनऊ। लविवि जनसंख्या पर भी पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं को बताने के साथ ही इसके फायदे और नुकसान के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। लविवि जनसंख्या अध्ययन में परास्नातक की उपाधि दे रहा है। समाज कार्य विभाग में संचालित इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 30 जून है। समन्वयक डॉ. गरिमा सिंह ने बताया कि दो साल के पाठ्यक्रम में 40 सीट हैं। दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे। अनुसार पाठ्यक्रम के बाद विभिन्न संस्थानों में शिक्षक के साथ ही जनसंख्या विशेषज्ञ के तौर पर भी नियुक्ति मिलती है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में काम करने वाली तमाम एनजीओ में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध होते हैं।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की जमीन अधिग्रहण का सामाजिक अध्ययन करेंगे लविवि शिक्षक

लखनऊ। लखनऊ विवि के दो शिक्षक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए होने वाले जमीन अधिग्रहण का सामाजिक अध्ययन करेंगे। सरकार ने इसके लिए समाज कार्य विभाग के प्रो. अनूप कुमार भारतीय व समाजशास्त्र विभाग के डॉ. पवन कुमार मिश्रा का चयन किया है। संसद के बनाए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुसार किसी भी प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के पहले जमीन मालिकों पर उस अधिग्रहण के पड़ने वाले प्रभावों के सामाजिक मूल्यांकन के लिए समाज वैज्ञानिकों की एक टीम बनाई जाती है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभी बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के सात जिलों के लिए टीम बनाई गई है, जिसमें ये दोनों शिक्षक सदस्य हैं।

NBT Page 4

नहीं रहे एलयू के पूर्व वीसी प्रो. सूरज प्रसाद सिंह

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के पूर्व कुलपति प्रो. सूरज प्रसाद सिंह का मंगलवार को दिल्ली में निधन हो गया। प्रो. सिंह लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1995 से 1997 तक कुलपति के पद पर रहे। उनके मार्गदर्शन में ही एलयू में विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम शुरू हुआ था। प्रो. सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय में विधि संकाय के हेड भी रहे।

एलयू: दो प्रफेसर बने मूल्यांकन समिति के सदस्य

■ **एनबीटी, लखनऊः** गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की जमीन अधिग्रहण के लिए एलयू के समाजकार्य विभाग के प्रो. अनूप भारतीय और समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रफेसर डॉ. पवन कुमार मिश्र को सामाजिक मूल्यांकन की समिति का सदस्य बनाया गया है। ये एक्सप्रेस-वे गोरखपुर को आजमगढ़ के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ेगी। इससे पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के सात जिलों के लिए टीम बनाई गई है, जिसमें प्रो. भारतीय और डॉ. मिश्र भी सदस्य हैं।

भवन निर्माण की तकनीक बताई

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल की ओर से मंगलवार को सिविल इंजिनियरिग छात्रों के लिए 'गुड कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिसेज' पर वेबिनार हुआ। मुख्य अतिथि टेक्निकल सर्विस, अल्ट्राटेक सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड के रीजनल हेड प्रदीप झा ने छात्रों को भवन निर्माण के बारे में बताया। कंक्रीट से बने ढांचे, दीवारों के प्लास्टर के लिए सीमेंट मोर्टार कैसे तैयार किया जाए और उसकी गुणवत्ता क्या होनी चाहिए, इसके बारे में जानकारी दी। साथ ही प्लास्टर लगाने से पहले तराई के महत्व को भी बताया। बड़ी संख्या में सिविल इंजिनियरिग के छात्र इसमें शामिल हुए।

परीक्षा की तैयारियों पर 'कोरोना ब्रेक'

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों के कोरोना संक्रमित होने के बाद सभी विभाग बंद हैं। ऐसे में एलयू प्रशासन ने 12 जून को होने वाली कॉलेज डिवेलपमेंट काउंसिल की ऑनलाइन बैठक स्थगित कर दी है। इस बैठक में सम्बद्ध कॉलेज भी शामिल होने थे।

सम्बद्ध कॉलेज संग 12 जून को होनी थी ऑनलाइन बैठक

दरअसल, इस बार सेल्फ सेंटर पर परीक्षा होना तय किया गया था। कुछ दिन पहले एलयू के कॉलेज डिवेलपमेंट काउंसिल ने सभी सम्बद्ध कॉलेजों के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग में परीक्षा की तैयारियों को लेकर चर्चा की थी। इसके अलावा सभी कॉलेजों से वहां पढ़ने वाले स्टूडेंट्स, शिक्षक और कर्मचारियों की संख्या, सीसीटीवी की संख्या, परीक्षा कक्षों की मरम्मत और सैनिटाइजेशन से संबंधित जानकारी मांगी थी, जिसे लेकर 12 जून को बैठक होनी थी, लेकिन एलयू के दो प्रफेसर के बाद संक्रमित होने के बाद कई शिक्षक क्वारंटीन हो गए है। ऐसे में एलयू प्रशासन ने बैठक स्थगित कर दी है।

HINDUSTAN Page 2 & 8

दो शिक्षक मूल्यांकन समिति में शामिल

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की जमीन अधिग्रहण के लिए सामाजिक मूल्यांकन की समिति का गठन किया है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. अनूप भारतीय व समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार मिश्र को शामिल किया गया है। मूल्यांकन समिति आजमगढ़ में जमीन अधिग्रहण से होने वाले सामाजिक प्रभाव का आकलन करेगी।

लविवि के पूर्व वीसी का निधन

प्रो. सूरज प्रसाद सिंह (फाइल फोटो)

लखनऊ। लखनऊ विवि के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सूरज प्रसाद सिंह का निधन हो गया। प्रो. सिंह लविवि में वर्ष 1995 से 1997 तक कुलपति के पद पर रहे। उनके मार्गदर्शन में ही लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया था। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में विधि संकाय के संकायाध्यक्ष भी रहे। उनका निधन मंगलवार को दिल्ली में हुआ।

THE PIONEER Page 4

FORMER LU VC PASSES AWAY

Former Vice-Chancellor of Lucknow University Suraj Prasad Singh passed away in Delhi on Tuesday. He served as the Vice-Chancellor of Lucknow University from 1995 to 1997. It was under his guidance that the five-year course on Law was started at the university. He also served as the head of Law department at Delhi University.

LU PROFS SELECTED

Two Lucknow University professors have been selected in the team constituted for assessing social evaluation of land acquisition for Gorakhpur Link Expressway, which will link Gorakhpur with Azamgarh near Purvanchal Expressway. Media spokesperson Durgesh Srivastava said that before the acquisition of any land for any project, it was mandatory to assess the social impact on land owners. "On June 8, two professors from LU have been selected in this committee. They are Anoop Bhartiye from Social Works department and Pawan Kumar Mishra from Sociology department," he said. A team has also been constituted for Bundel Expressway which is being constructed for seven districts and these professors are its members.

i-Next Page 4

एलयू में गुड कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिसेज पर वेबिनार

LUCKNOW (9 June) : एलयू में मंगलवार को ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए गुड कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिसेज पर वेबिनार आयोजित किया गया. वेबिनार अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के सहयोग से किया गया. इस दौरान अल्ट्राटेक सीमेंट प्रा. लिमिटेड से रीजनल हेड प्रदीप झा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. इस मौके पर उन्होंने कंक्रीट निर्मित ढांचे, दीवारों के प्लास्टर के लिए सीमेंट मोर्टार को तैयार करने के बारे में बताया.

मूल्यांकन समिति के मेंबर एलयू प्रोफेसर

LUCKNOW (9 June) : गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की जमीन अधिग्रहण के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. अनूप भारतीय व समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. पवन कुमार मिश्र को सामाजिक मूल्यांकन की समिति का सदस्य बनाया गया है.

RASHTRIYA SAHARA Page 5

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति का निधन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सूरज प्रसाद सिंह (एस पी सिंह) का आसमयिक निधन मंगलवार को हो गया। प्रोफेसर सिंह लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1995 से 1997 तक कुलपति के पद पर रहे। उनके मार्गदर्शन में ही लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किया था। प्रोफेसर सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय में विधि संकाय के संकायाध्यक्ष भी रहे। उनका निधन दिल्ली में हुआ। उनके निधन पर लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों प्रोफेसरों और कर्मचारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।